



टाउन हाल में नाटक का मंचन करते कलाकार।

जगरण

प्राचीन भारतीय परिवेश मंच पर सजीव किया

चेन्नई, तमिलनाडु संघराज्य में प्रथम बार आयोजित अर्द्ध शताब्दी इतिहास की स्मृति नाटक 'माया एक प्रेम व जन्म की कथा' ने मंच पर प्राचीन भारतीय परिवेश को सजीव कर दिया।

माया का मंचन रामेश्वर संस्कृति विभाग के सत्याग्रह में टाउन हाल में आयोजित अर्द्ध शताब्दी भारतीय नाटक सम्मेलन के दौरान किया गया। नाटक का निर्देशन राधा कारमन, लेखन वेंकट कर्मान और मंच निर्देशन अश्विनी चैतन्य ने किया। सहायकीय नृत्य कौशिकी से सुशोभित माया के माध्यम से प्राचीन काल के जीवन परिदृश्य को प्रकट किया गया।

नाटक में फलकार और महिलाओं का परिचित व विशेषताओं को उद्घोषित किया गया है तथा नाटक में नालिंग राजवंश के 21वें उत्तराधिकारी के एक महान शासक बनने की प्रक्रिया को दर्शाया गया है। नाटक में फलकार

• टाउन हाल में किया गया नाटक माया का मंचन

राज्य हाल नालिंग की राजकुमारी के अपहरण की योजना को बहुत ही कुशलता से दर्शाया गया है तथा नाटक के प्रेम को भी परिलक्षित किया गया है।

नाटक के मुख्य पात्रों में चंद्रदासन (राजा घोर), उल्लास पी (राजा काशी), मंजु वी वें (माया), मिथुन परमेश्वर (रघु), रोस लिगिया (हरिता), रंजना के अर, लक्ष्मी वें, आशना ससिधरन (सेनिका), चिथिरा, श्री लक्ष्मी (सोवक), प्रदीप (शाशुल), सुमेश (शाशुल), रघु (कामेश्वर), मनीषा सोवकन, दिलीपक (सिंघाती) शामिल थे। कला निर्देशन साबु प्रवाद, कला सहायक अश्विनी कुमर, मंच निर्देशन श्री प्रिया, प्रकाश संश्लेषक गिरिश मेन, वेशभूषा श्रीकुमर और पद्यज्ञ ने किया।

Translation

Paper: Jagran Date: March 23, 2007

Title:

Old Indian Epic Brought to Life on Stage

Mandalam's theatrical project, Maya, inspired the feeling of a bygone era. Maya was performed at Town Hall, under the auspices of Rangmandal Sanskriti Vibhag during the All India Drama Festival. The artistic direction was by Radha Carman, story by Ron Carman, and executive direction by Akshay Pottathil.

Incorporating classical, folk, ritual and contemporary dance styles, Maya brought to stage a different and very beautiful ancient epic form. The story begins with Nalinga and Phulkar dynasties feuding for power. One tries to undermine the other through the use of black magic. It is said that the 21st descendent of the Nalinga dynasty will become a great emperor. The enemy kingdom, Phulkar, tries to kidnap princess Maya with the help of black magic.

This was so beautifully done that the audience was left spell-bound. The actors performed their roles well and showed their ability and flair for acting and dancing.

The main actors of this theatrical production, Maya, are Chandradasan - King Ghor, Ullas - King Kashi, Manju V. Nair - Maya, Mithun Parameshwaran - Raghu, Rose Ligia - Harita, Ranjana K. R., Lakshmi S Nair, Ashna Sasidharan, Chithira, Sreelakshmi - maidens, Pradeep - Shardul, Sumesh - black magician, Raghu - Kamlesh, Satish Lolappan, Dilliams - soldiers. Set direction by Sabu Pravadas, Assistant Set Direction - Anil Kumar, Sound Engineer - Sripriya, Light Engineer - Girish Menon, and Costumes by Sreekumar and Padmaja.